अनुलग्नक-I

सतत व्यवसायिक विकास परीक्षा
का संशोधित पाठ्यक्रम

चरण I परीक्षा

सी I विप्तीय प्रबंधन

समय सीमा : 2 घंटे | अधिकतम अंक : 100

1. वित्तीय विवरणों का विश्लेषण :

वित्तीय विवरणों का विश्लेषण और व्याख्या, वित्तीय विश्लेषण की तकनीकें एवं सीमाएं, अनुपात विश्लेषण, निधि प्रवाह विश्लेषण एवं रोकड प्रवाह विश्लेषण।

2. मूल्य एवं प्रतिलाभ की अवधारणाएं :

धन, वर्तमान मूल्य, भविष्य मूल्य, वार्षिक भत्ते का मूल्य, प्रतिलाभ की दर के लिए समय अधिमान

3. निवेश के निर्णय :

पूंजीगत बजट, पूंजीगत बजट मूल्यांकन विधि, युक्तिक बनाम नीतिबद्ध निवेश निर्णय, पूंजी वितरण नियंत्रण, पूंजी निवेश निर्णयों को प्रभावित करने वाले घटकों की अवधारणा

4. वित्तीय योजना एवं पूंजीगत ढॉचा :

पूंजीगत आवश्यकता का आंकलन, स्थायी पूंजी, कार्यरत पूंजी, पूंजीकरण, पूंजीगत ढांचे का स्वरूप

5. **वित्तीय स्रोत :**

वित्तीय बाजार, सुरक्षित वित्तपोषण, ऋण-पत्र, ऋण वित्तपोषण, तात्कालिक वित्त, ऋण समूहन, पुस्तकीय निर्माण, नये वित्तीय संस्थान, उद्यम पूंजी संस्थान, पारस्परिक निधि , फेक्टरिंग संस्थान, नये वित्तीय साधन: वाणिज्यिक पत्र, ऋण का प्रतिभूतिकरण, वैश्विक निक्षेपागार प्राप्तियां (जी.डी.आर.), संजात: विकल्प, अग्रेषण, भविष्य एवं एस.डब्ल्यू.ए.पी.; पट्टा वित्तीयन: पट्टे की अवधारणाएं, पट्टा संविदा के प्रकार, किराया खरीद एवं पट्टा वित्तीयन के बीच अन्तर

6. **अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन :**

विदेशी विनिमय बाजार, विनिमय जोखिम प्रबंधन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भुगतान का प्रकार, खाता खोलना, बैंक स्थानांतरण, साख-पत्र, परेषण बिक्री

7. **सार्वजनिक खरीद :**

सार्वजनिक खरीद के सिद्धांत एवं विधि, सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता एवं व्यवसायित्ता, दण्ड एवं निष्कासन इत्यादि। भारतीय संविदा अधिनियम, 1872, मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996

प्रस्तावित अध्ययन :

1. श्री रवि. एम. किशोर द्वारा टैक्समैन फाइनेंशियल मैनेजमेंट
2. श्री एच.आर. माचीराजू द्वारा भारतीय वित्तीय प्रणाली, विकास प्रकाशन हाऊस प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली – 8 द्वारा प्रकाशित
3. 31 दिसम्बर 2017 तक यथा संशोधित भारतीय संविदा अधिनियम, 1872
4. 31 दिसम्बर 2017 तक यथा संशोधित मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996

अनुलग्नक XI

सी 2 – लेखाकंन और लेखा परीक्षण सिद्धांत एवं मानक

समय सीमा : 2 घंटे **अधिकतम अंक : 100**

प्रावधान

1. सीएजी के लेखापरीक्षण मानक 2017
2. आईएफएसी द्वारा जारी अंतराष्ट्रीय लेखापरीक्षण मानक
3. निगम मामला मंत्रालय द्वारा अधिसूचित भारतीय लेखांकन मानक (इंड एएस)
4. सरकारी लेखांकन मानक सलाहकार बोर्ड (गसब) द्वारा जारी भारत सरकार लेखांकन मानक (आईजीएएस)
5. अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक क्षेत्र लेखांकन मानक बोर्ड (आईपीएसएएसबी) द्वारा जारी अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक क्षेत्र लेखांकन मानक (इपसास)
6. सीएजी द्वारा जारी डाटा एनालिटिक्स पर दिशानिर्देश

प्रस्तावित अध्ययन :

संबंधित प्राधिकारियों द्वारा जारी मानक और दिशानिर्देश, जैसा ऊपर बताया गया है।

अनुलग्नक XI

चरण II परीक्षा

सी 3 – लोक वित्त

समय सीमा : 2 घंटे

अधिकतम अंक : 100

क्रम संख्या पाठ्यक्रम और विषय

1. लोक वित्तीय प्रबंधन

लोक वित्त का अभिप्राय एवं महत्व, अधिकतम सामाजिक लाभ के सिद्धांत, विभिन्न आर्थिक प्रणालियों के अंतर्गत लोक वित्त की भूमिका, संघीय वित्त की अवधारणाएं एवं सिद्धांत, संघीय बजट का विश्लेषणात्मक अध्ययन, नवीनतम वित्त कमीशन – सिफारिशें एवं कार्यान्वयन (जैसा पूर्व वर्ष की 1 अप्रैल से उपलब्ध हो)। संघीय बजट और वित्तीय उत्तरदायित्व का विश्लेषणात्मक अध्ययन और बजट प्रबंधन अधिनियम 2003।

2. लोक व्यय

लोक व्यय के सिद्धांत, राजस्व एवं पूंजीगत व्यय, विकास एवं गैर-विकास व्यय, लोक व्यय के प्रभाव

3. लोक राजस्व

राजस्व के स्त्रोत, कर, कराधान के सिद्धांत, अच्छी कर प्रणाली की विशेषताएं, कर संरचना विकास के सिद्धांत, आर्थिक विकास के प्रभाव से कर संरचना में बदलाव, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों के सापेक्ष गुण एवं अवगुण।

4. **इक्विटी की समस्या**

सेवा सिद्धांत की लागत, लाभ या प्रतिकर सिद्धांत, 'भुगतान क्षमता' सिद्धांत, अनुपातिक बनाम प्रगतिशील कराधान।

5. **लोक ऋण**

लोक ऋण का वर्गीकरण, लोक ऋण के उद्देश्य, ऋण शोधन की प्रणाली, उत्पादन, वितरण उपभोग पर लोक ऋण का प्रभाव एवं आय एवं रोजगार का स्तर।

6. **आर्थिक विकास एवं नियोजन**

राष्ट्रीय आय एवं उत्पाद की अवधारणाऐं, केन्द्रीय बैंकिग सिद्धांत, केन्द्रीय बैंकों के कार्य, मौद्रिक नीति बनाम राजकोषीय नीति, भुगतान शेष, आर्थिक विकास के निर्धारक, आर्थिक विकास के प्रोत्साहन हेतु सरकारी उपाय, विधि द्वारा स्थापित नियामक निकाय, आर्थिक एवं सामाजिक ऊपरी व्यय के प्रावधान, वित्तीय सुविधाओं के प्रावधान, संस्थानिक बदलाव, प्रत्यक्ष सहभागिता, अप्रत्यक्ष उपाय, नियोजन के प्रकार: प्रोत्साहन द्वारा नियोजन एवं निदेशन द्वारा नियोजन, केन्द्रीकृत नियोजन बनाम विकेन्द्रित नियोजन, सफल नियोजन की पूर्वापेक्षाएं।

प्रस्तावित अध्ययन :

1. डा. एस.के. सिंह द्वारा सिद्धांत एवं व्यवहार में लोक वित्त, एस चांद एंड कम्पनी नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित
2. डा. के.के. देवेत एवं श्री एम.एच. नवलुर द्वारा आधुनिक आर्थिक सिद्धांत भाग II से VIII, श्याम लाल धमार्थ ट्रस्ट, नई दिल्ली (एकमात्र वितरक एस चांद एंड कम्पनी लिमिटेड, नई दिल्ली) द्वारा प्रकाशित
3. संघीय बजट (नवीनतम उपलब्ध)

4. राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम, 2003 और एफआरबीएम नियमावली 2004, पिछले वित्तीय वर्ष की 1 अप्रैल से यथा संशोधित
5. नवीनतम वित्त कमीशन की सिफारिशें (जैसा पिछले वित्तीय वर्ष की 1 अप्रैल तक उपलब्ध हो)

सी – 4 अर्थशास्त्र के सामान्य सिद्धांत

समय सीमा : 2 घंटे **अधिकतम अंक : 100**

क्रम सं. **पाठ्यक्रम और विषय**

अर्थशास्त्र

1. मूल अवधारणा
2. मांग एवं पूर्ति
3. उपभोक्ता सिद्धांत
4. उत्पादन और लागत
5. बाजारों के प्रकार
6. विभिन्न प्रकार के बाजारों की परिभाषाएं और विशेषताएं

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

7. मूल – क्लासिकल और नियो क्लासिकल व्यापार सिद्धांत
8. व्यापार नीति के साधन
9. अन्र्तराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली

प्रस्तावित पाठ्यपुस्तकें निम्नानुसार हैं

(i) पॉल सेमयूल्सन एडं विलियम नोरदहोस द्वारा इकोनोमिक्स (भारतीय संस्करण)

(ii) के के डिवेट एवं एम एच नवलूर द्वारा मार्डन इकानामिक थ्योरी

अनुलग्नक XI

चरण III परीक्षा

सी 5 - सामान्य अध्ययन एवं वर्तमान आर्थिक विकास

समयसीमा: 2 घंटे   अधिकतम अंक: 100

यह पेपर वर्तमान राष्ट्रीय मुद्दो एवं वर्तमान वातावरण के सम्बन्ध में सामाजिक-आर्थिक विषयों पर अभ्यर्थी की जागरुकता जैसे कि निम्नलिखित है की परीक्षा हेतु है:

1. भारतीय अर्थव्यवस्था एवं नियोजन, संसाधनों का संग्रहण, वृद्धि, विकास तथा रोजगार संबंधी मुद्दे।

2. सुशासन और नागरिकों के प्रति जवाबदेही से संबंधित विकास के मुद्दो से बडे वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक निष्कासन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

3. पर्यावरण सम्बन्धी मुद्दे, पारिस्थितिकी संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण।

4. भारत की विश्व के साथ आर्थिक पारस्परिक क्रिया संबंधी विषय जैसे विदेशी व्यापार, विदेशी निवेश: तेल, गैस और ऊर्जा प्रवाह संबंधी आर्थिक एवं कूटनीतिक मामले, आईएमएफ विश्व बैंक, डब्ल्यूटीओ, डब्ल्यूआईपीओ इत्यादि की भूमिका और कार्य, जो अन्य देशों एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ भारत की आर्थिक पारस्परिक क्रिया को प्रभावित करते है।

5. विज्ञान एवं तकनीकी, सूचना प्रौधोगिकी, अंतरिक्ष, अतिसूक्ष्म प्रौधोगिकी, जैव प्रौधोगिकी, एवं बौदिधक सम्पदा अधिकार सम्बंधी विषय।

6. सतत् विकास लक्ष्य और भारत में उनका कार्यान्वयन

प्रस्तावित पाठ्यपुस्तके निम्नानुसार हैं :

http://www.niti.gov.in/content/overview-sustainable-development-goals#

राष्ट्रीय ई-गर्वनेंस कार्यक्रम (एनईजीपी)

http://meity.gov.in/divisions/national-e-governance-plann

डिजिटल इंडिया

http://digitalnidia.gov.in/

सीपीडी-III का पेपर सी - 6 सूचना प्रणाली लेखापरीक्षा का संशोधित पाठ्यक्रम

2021 की परीक्षा -1 से लागू होगा

1. सूचना प्रणाली लेखापरीक्षा

1.1. सूचना प्रणाली अधिग्रहण, विकास और कार्यान्वयन

1.1.1. परियोजना प्रबंधन –योजना, क्रियान्वयन, निगरानी और समापन

1.1.2. शासन संरचना, भूमिका और उत्तरदायित्व

1.1.3 प्रणाली विकास लाइफ साइकिल (एसडीएलसी) चरण

1.1.4 साफ्टवेयर विकास पद्धति

1.1.5 हार्डवेयर/साफ्टवेयर अधिग्रहण प्रक्रिया और कदम, माडल आरएफपी (एमईआईटीवाई)

1.1.6 आईटी सेवा प्रबंधन (आईटीएसएम)

1.1.7.1 व्यवसाय निरन्तरता नियोजन (बीसीपी)

1.2 शासन और सूचना प्रणाली का प्रबंधन

1.2.1 संरचना की समीक्षा – सीओबीआईटी संरचना, आईएसओ 27000 क्रम (सुरक्षा), आईएसओ 38500 क्रम (आईटी गर्वनेंस)

1.2.2 आईटी अधिनियम 2000 (और संशोधन) और उसके तहत जारी नियम

1.2.3 आधार अधिनियम और उसके तहत जारी विनियम

1.2.4 राष्ट्रीय सूचना सुरक्षा नीति और दिशानिर्देश

1.2.5 डिजिटल इंडिया प्रोग्राम और ई-क्रान्ति मिशन

1.3. सूचना प्रणाली लेखापरीक्षण प्रक्रिया

1.3.1 2020 सीएजी के आईटी वातावरण में लेखापरीक्षण पर स्थायी आदेश

1.3.2 जोखिम आधारित आईएस लेखापरीक्षा नियोजन

1.3.3 नियंत्रणों के प्रकार

1.3.3.1 नियंत्रण उद्देश्य और उपाय

1.3.3.2 सामान्य और आईएस-विशिष्ट नियंत्रण

1.3.4 आईएस लेखापरीक्षा प्रक्रिया कार्य

1.3.5 डाटा विश्लेषण –सीएएटी सतत लेखापरीक्षण तकनीकें

1.4 परिसंपत्तियों का संरक्षण

1.4.1 पहचान और एक्सेस प्रबंधन

1.4.2 नेटवर्क और एंड –प्वाइंट सुरक्षा

1.4.3 डाटा वर्गीकरण

1.4.4 डाटा एनक्रिपशन और एनक्रिपशन संबंधी तकनीकें, पब्लिक की इन्फ्रास्ट्रक्चर (पीकेआई)

1.4.5 सूचना प्रणाली आक्षेप विधि और तकनीके, ओडब्ल्यूएएसपी टाप 10 संवेदनशीलताएं

1.4.6 सुरक्षा जांच उपकरण और तकनीकें

1.4.7 सुरक्षा निगरानी उपकरण और तकनीकें

1.4.8 घटना प्रतिक्रिया प्रबंधन

2. प्रस्तावित पठन सामग्री/संदर्भ

2.1 आईएसएसीए द्वारा सीओबीआईटी संरचना, आईएसओ 27001 और आईएसओ 38500 का विहंगावलोकन

2.2 सीएजी के आईटी वातावरण में लेखापरीक्षण पर स्थायी आदेश

2.3 सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्थानों के लिए आईटी लेखापरीक्षा पर डब्ल्यू जीआईटीए – आईडीआई हैंडबुक

2.4 1.2 के लिए अधिनियमों/नियमों को पठन सामग्री के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी (परीक्षा)